



Gagandeep Singh



Shagandeep kaur

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121010101

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
22/01/1994 :	जन्म तिथि	: 13-14/01/1994
शनिवार :	दिन	: गुरु-शुक्रवार
घंटे 15:05:00 :	जन्म समय	: 05:30:00 घंटे
घटी 19:01:03 :	जन्म समय(घटी)	: 54:58:34 घटी
India :	देश	: India
Firozpur :	स्थान	: Ropar
30:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:59:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:31:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:23:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:28:34 :	सूर्योदय	: 07:23:10
17:56:49 :	सूर्यास्त	: 17:42:09
23:46:43 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:46:42
मिथुन :	लग्न	: धनु
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
वृष :	राशि	: मकर
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शनि
कृतिका :	नक्षत्र	: धनिष्ठा
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 1
शुक्ल :	योग	: सिद्धि
गर :	करण	: तैतिल
उ-उदय :	जन्म नामाक्षर	: गा-गामिनी
कुम्भ :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर
वैश्य :	वर्ण	: वैश्य
चतुष्पाद :	वश्य	: जलचर
मेष :	योनि	: सिंह
राक्षस :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
गरुड़ :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

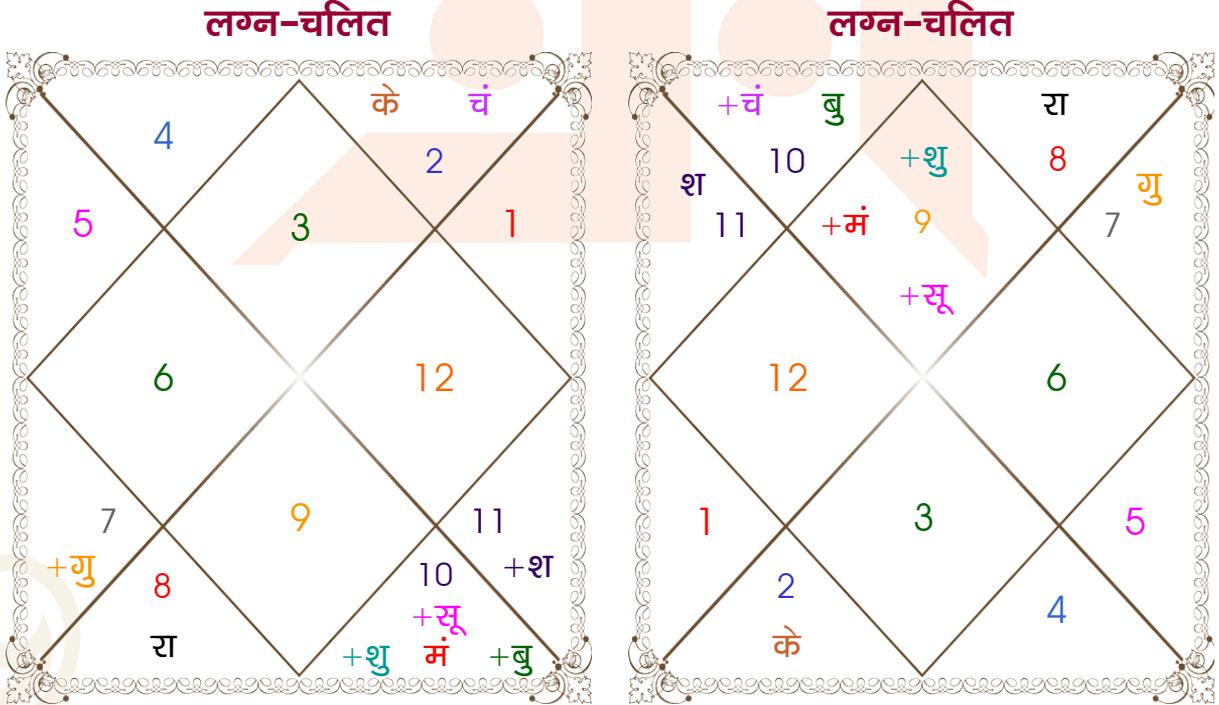
विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 8मा 11दि	01:31:23	मिथु	लग्न	धनु	01:22:46	मंगल 6वर्ष 4मा 16दि
राहु	08:21:38	मक	सूर्य	धनु	29:48:33	गुरु
04/10/2012	06:13:32	वृष	चंद्र	मक	24:31:05	01/06/2018
04/10/2030	01:44:32	मक	मंगल	धनु	25:15:10	01/06/2034
राहु 17/06/2015	20:25:07	मक	बुध	मक	06:11:34	गुरु 19/07/2020
गुरु 10/11/2017	18:47:58	तुला	गुरु	तुला	17:48:47	शनि 30/01/2023
शनि 15/09/2020	09:37:55	मक	शुक्र	धनु	29:04:18	बुध 07/05/2025
बुध 05/04/2023	05:28:02	कुंभ	शनि	कुंभ	04:32:36	केतु 13/04/2026
केतु 22/04/2024	07:24:30	वृश्चि	राहु व	वृश्चि	07:56:16	शुक्र 12/12/2028
शुक्र 23/04/2027	07:24:30	वृष	केतु व	वृष	07:56:16	सूर्य 30/09/2029
सूर्य 17/03/2028	29:03:53	धनु	हर्ष	धनु	28:34:08	चन्द्र 30/01/2031
चन्द्र 16/09/2029	27:29:26	धनु	नेप	धनु	27:10:26	मंगल 06/01/2032
मंगल 04/10/2030	03:52:16	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	03:40:15	राहु 01/06/2034

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

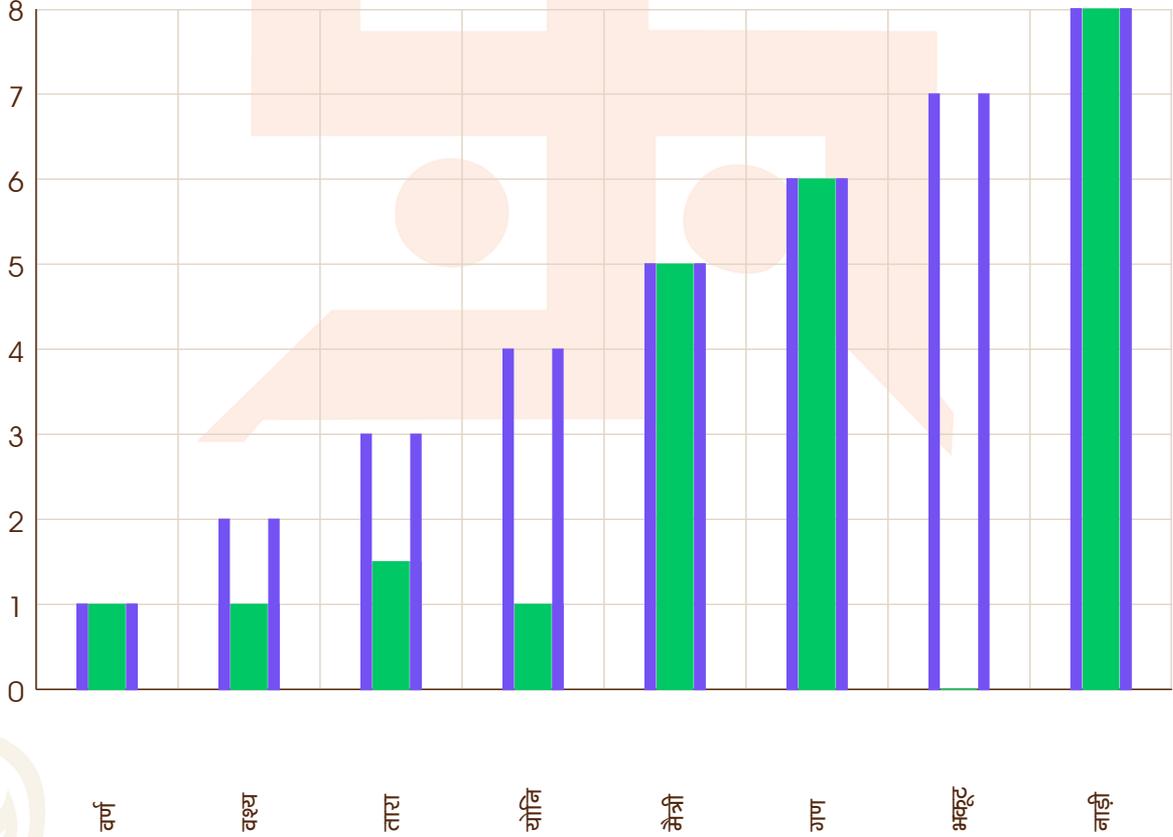
23:46:43 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:42



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : 23.5 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ळहंदकममचैपदही का वर्ग गरुड है तथा Shagandeep kaur का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ळहंदकममचैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळहंदकममचैपदही कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shagandeep kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Shagandeep kaur कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ळहंदकममचैपदही कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळहंदकममचैपदही तथा Shagandeep kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ळहंदकममचैपदही का वर्ण वैश्य है तथा Shagandeeep kaur का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

ळहंदकममचैपदही का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Shagandeeep kaur का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। ळहंदकममचैपदही एवं Shagandeeep kaur दोनों अपने-अपने अलग कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में ळहंदकममचैपदही एवं Shagandeeep kaur दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

ळहंदकममचैपदही की तारा मित्र तथा Shagandeeep kaur की तारा विपत है। Shagandeeep kaur की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान ळहंदकममचैपदही एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Shagandeeep kaur का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

ळहंदकममचैपदही की योनि मेष है तथा Shagandeeep kaur की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं क्लेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळहंदकममचैपदही एवं Shagandeeep kaur दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ळहंदकममचैपदही एवं Shagandeeep kaur के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ळहंदकममचैपदही एवं Shagandeeep kaur जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ळहंदकममचैपदही का गण राक्षस है तथा Shagandeeep kaur का गण भी राक्षस है। अर्थात् Shagandeeep kaur का गण ळहंदकममचैपदही के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण ळहंदकममचैपदही एवं Shagandeeep kaur दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

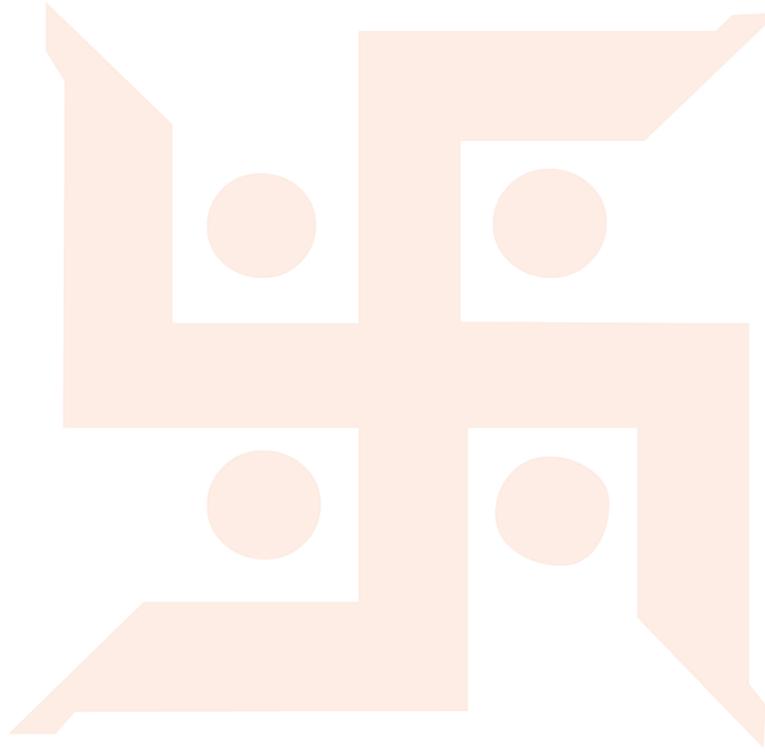
भकूट

ळहंदकममचैपदही से Shagandeeep kaur की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Shagandeeep kaur से ळहंदकममचैपदही की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। ळहंदकममचैपदही की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

ळहंदकममचैपदही की नाड़ी अन्त्य है तथा Shagandeeep kaur की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य,

सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur के मध्य स्वभावगत समानताओं की अपेक्षा विषमताएं अधिक होंगी। इस प्रकार यह मिलान मध्यम रहेगा। लेकिन ळहंदकममच पदही की राशि वृष तथा Shagandeep kaur की राशि मकर दोनों पृथ्वीतत्व युक्त राशि है। अतः यदि मतभेदों एवं विवादों को बुद्धिमता पूर्वक सुलझाया जाय तो इसमें अनुकूलता के अवसरों में वृद्धि हो सकती है। ळहंदकममचैपदही की राशि का स्वामी शुक तथा Shagandeep kaur का राशि स्वामी शनि परस्पर मित्रता के द्योतक है। अतः इनके प्रभाव से ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur के मध्य मधुर संबंधों की संभावना विद्यमान रहेगी तथा यदि आपस में सामंजस्य स्थापित किया जाय तो इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत हो सकता है तथा अपने अधिकांश समय को सुख के क्षणों में परिवर्तित करने में वे समर्थ होंगे।

ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur की स्वाभिमानी प्रवृत्ति आपसी समस्याओं को सुलझाने की अपेक्षा उलझाने में अधिक सहायक होगी साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान न करने की भी संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन प्रभावित होगा।

ळहंदकममचैपदही का वश्य चतुष्पद तथा Shagandeep kaur का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं जलचर के मध्य परस्पर समानता एवं मित्रता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से उनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समानता रहेगी। जिससे दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में इनको सफलता प्राप्त होगी एवं दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की प्रवृत्ति धनार्जन के प्रति तत्पर रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलापों को पूर्ण करेंगे। अतः आर्थिक रूप से ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

ळहंदकममचैपदही और Shagandeep kaur दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ळहंदकममचैपदही अन्य तथा Shagandeeep kaur का जन्म मध्य नाडी में हुआ है। अतः नाडी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही ळहंदकममचैपदही की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Shagandeeep kaur के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Shagandeeep kaur को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Shagandeeep kaur को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ळहंदकममचैपदही और Shagandeeep kaur का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Shagandeeep kaur के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Shagandeeep kaur यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Shagandeeep kaur को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होंगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Shagandeeep kaur को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

ळहंदकममचैपदही की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ळहंदकममचैपदही सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ळहंदकममचैपदही ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ळहंदकममचैपदही के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।